WRITTEN ANSWERS TO UNSTARRED QUESTIONS

विश्व बैंक से सहायता प्राप्त राष्ट्रीय कृषि विस्तार परियोजनाएं

311. **श्री अजीत जोगी:** क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या किन-किन परियोजनाओं के लिए राष्ट्रीय कृषि विस्तार परियोजनाओं के अन्तर्गत विश्व बैंक से प्रत्येक राज्य को वित्तीय सहायता प्राप्त हुई है साथ ही इस प्रयोजनार्थ विगत तीन वर्षों के दौरान कुल कितनी धनराशि वित्तीय सहायता के रूप में प्राप्त हुई है;

(ख) उक्त अवधि के दौरान इस सहायता से हासिल की गई उपलब्धियों का ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या राष्ट्रीय कृषि विस्तार परियोजना के क्रियान्वयन के परिणामस्वरूप कृषि उत्पादन में वृद्धि हुई है; और

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री (डा० एस० वेणुगोपालाचारी): (क) राष्ट्रीय कृषि विस्तार परियोजनाओं (एन०ए०ई०पी०) के अंतर्गत कई राज्यों को विश्व बैंक की सहायता प्रदान की गई। राष्ट्रीय कृषि विस्तार परियोजना-1 व 2 मार्च, 93 में बंद हुई जबकि रा०कृ०वि०परि०-3 मार्च, 95 में बंद हुई। परियोजना के तहत दी गई सहायता प्रत्यक्ष रूप में न देकर प्रतिपूर्ति आधार पर दी गई।

वित्तीय सहायता का परियोजना/राज्यवार ब्यौरा **(देखिए परिशिष्ट 181, अनुपत्र संख्या 14)** अनुपत्र में दिया गया है।

(ख) परियोजना अवधि के समय उपलब्धियों का ब्यौरा **(देखिए परिशिष्ट 181, अनुपत्र संख्या 14) अनुपत्र में दिया गया है।**

(ग) कृषि उत्पादन एक ऐसी क्रिया है जिसमें गुणवत्ता वाले बीजों, उर्वरकों/कीटनाशी दवाओं के प्रयोग, सिंचाई सुविधाओं, कृषि-जलवायु संबंधी वातावरण आदि जैसे कई महत्वपूर्ण तत्व शामिल होते है और इसमें प्रौद्योगिकी का अंतरण अनुसंधान क्षेत्र से किसानों तक करने में कृषि विस्तार एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। परियोजना अवधि के दौरान कृषि उत्पादन में सामान्यतया बढ़ती हुई प्रवृत्ति परिलक्षित होती है।

(घ) ब्यौरे अनुपत्र में दिए गए हैं। **(देखिए परिशिष्ट 181, अनुपत्र सं० 14)**

Loss due to Hailstorm in Gujarat

312. SHRI JANARDAN YADAV: Will the Minister of AGRICULTURE be pleased to state:

(a) whether in June, 1997 heavy rains and hailstorm in Gujarat killed 150 people and demaged the standing crops worth Rs. 4.5 crores besides causing damage to property worth crores of rupees;

(b) whether in a large number of villages, mango orchards and paddy fields were damaged; and

(c) if so, whether the Central Government have provided help and assistance to the people affected by the hailstorm and details thereof?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE (DR. S. VENUGOPALACHARI): (a) and (b) According to the reports received from the Government of Gujarat, heavy rains and floods in the last week of June claimed 184 human lives and damaged public property worth Rs. 664.33 crores and crops over an area of 1.98 lakh hectares consisting of paddy, cotton, bajri, pulses, groundnut etc. The State Government however has not reported any incident of hailstorms in June, 1997.

(c) An amount of Rs. 55.24 crores comprising 2nd and 3rd quarterly instalment of Calamity Relief Fund (CRF) was released to the State Government for relief and rehabilitation measures in flood affected areas. With the first instalment of Rs., 27.62 crores released earlier, an amount of Rs. 82.86 crores has been made available to the State Government from the Calamity Relief Fund (CRF) during 1997-98. In response to a memorandum received from the State Government indicating losses of Rs. 664.33 crore in various sectors and requesting for liberal additional Central assistance, a Central Team has concluded it's visit to the affected areas in Gujarat on 24th July, 1997. The National Calamity Relief

Committee will decide the quantum of additional assistance from National Fund for Calamity Relief based on the report of the Team.

सूखे एवं बाढ़ के कारण होने वाली क्षति

313. **श्री दिलीप सिंह जूदेव:** क्या **कृषि** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) वर्ष 1996-97 के दौरान किन-किन राज्यों की फसलों को सूखे एवं बाढ़ के कारण क्षति पहुंची;

(ख) इस क्षति का राज्य-वार आकलन कितना-कितना है;

(ग) केन्द्र सरकार द्वारा इस स्थिति से निपटने के लिए राज्य सरकारों को ऋण एवं अनुदान के रूप में प्रदान की गई सहायता की धनराशि का ब्यौरा क्या है;

(घ) राज्य सरकारों द्वारा वास्तव में क्रमशः ऋण तथा अनुदान के रूप में कितनी-कितनी धनराशि की मांग की गई थी; और

(ङ) मध्य प्रदेश सरकार द्वारा राज्य के कौन-कौन से जिलों को सूखा ग्रस्त क्षेत्र मानकर उन्हें कितनी-कितनी धनराशि प्रदान की गई और इन राज्यों के किसानों को प्रदान की गई अन्य राहतों का ब्यौरा क्या है?

कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री (डा० एस० वेणुगोपालाचारी): (क) से (घ) राज्य सरकारों से प्राप्त रिपोर्टों के आधार पर, बाढ़ों और सूखे के कारण विभिन्न राज्यों में, 1996-97 के दौरान फसलों को हुए नुकसान की प्रमात्रा, आपदा राहत निधि से जारी की गई निधियों, राहत उपायों के लिए मांगी गई अतिरिक्त सहायता तथा राष्ट्रीय आपदा राहत निधि से दी गई अतिरिक्त सहायता का ब्यौरा प्रदर्शित करने वाला एक विवरण दिया गया है। **(नीचे देखिए)** राहत उपायों के लिए ऋण सहायता हेतु कोई अनुरोध किसी भी राज्य सरकार से प्राप्त नहीं हुआ है।

(ङ) मध्य प्रदेश सरकार ने सूचित किया था कि 9 जिले अर्थात बालाघाट, रायपुर, दुर्ग, सिवनी, राजगढ़, राजनन्दगांव, झबुआ, जबलपुर और रायगढ़ 1996-97 के दौरान भिन्न-भिन्न मात्रा में सूखे की स्थितियों से प्रभावित थे। प्रभावित जिलों में किसानों के लाभ के लिए राज्य सरकार द्वारा किए गए राहत उपायों में निम्नलिखित शामिल हैं:—(1) सिंचाई तथा पशुओं के प्रयोजनों के लिए बहते पानी के संरक्षण के लिए बहते नालों तथा छोटी रेवुलेटों के किनारों पर कच्चे बांधों का निर्माण (2) छोटे तथा मार्जिनल किसानों को बीजों का संवितरण (3) सरकारी तथा सहकारी देय राशि की वसूली तथा भू- राजस्व के संग्रहण का आस्थगन और (4) जरुरतमंद किसानों और कृषि श्रमिकों के लिए रोजगार सृजन कार्यक्रम। राज्य सरकार ने सूचित किया है कि इन जिलों में 56.53 करोड़ रुपए की राशि सूखा राहत उपायों पर खर्च की गई है।

विवरण

(करोड़ रुपए में)

क्र०स०	राज्य	प्रभावित बोया गया क्षेत्र (लाख है० में)		आपदा राहत कोष (सी०आर० एफ०) से निर्मुक्त की गई राशि	मांगी गई अतिरिक्त सहायता	राष्ट्रीय आपदा आपदा राहत कोष (एन०एफ० सी०आर०) से निर्मुक्त की गई राशि
		बाढ़	सूखा			
1.	आंध्र प्रदेश	22.63		93.14	2819.37	142.00
2.	अरुणाचल प्रदेश	0.06		5.28	110.53	3.00
3.	असम	2.46		37.51	415.91	21.00
4.	बिहार	7.34		38.97	168.92	7.00
5.	गुजरात	4.28	3.75	104.70	497.78	—
6.	हरियाणा	0.23		18.79	145.36	—
7.	हिमाचल प्रदेश	4.58		20.21	458.37	10.56
8.	जम्मू एवं कश्मीर	0.46		14.78	273.97	—